VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ऑल इंडिया इंटरएक्टिव

नृविज्ञान

टेस्ट सीरीज 2025

प्रारंभ 29 दिसंबर, 2024

8 टेस्ट | 4 सेक्शन वाइज + 4 फुल लेंथ

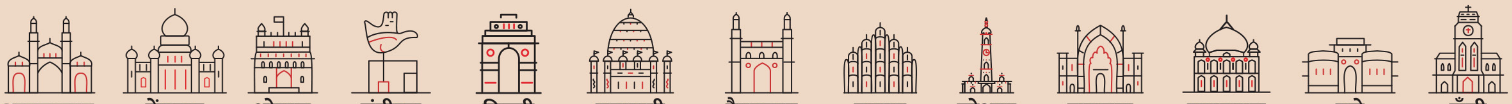

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज

Vision IAS की मुख्य विशेषता है। प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र अपने अंकों में सुधार के लिए **इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™** पर आधारित Vision IAS टेस्ट सीरीज का लाभ उठाते हैं। हम टेस्ट सीरीज को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं।

दृष्टिकोण और रणनीति:

हमारा सरल, व्यावहारिक और केंद्रित दृष्टिकोण अभ्यर्थियों को UPSC परीक्षा की मांग को प्रभावी ढंग से समझने में मदद करेगा। हमारी रणनीति निरंतर नवाचार करना है ताकि तैयारी प्रक्रिया को गतिशील बनाए रखा जा सके और मुख्य सक्षमता, समय व संसाधन की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग अभ्यर्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके। हमारा इंटरएक्टिव लर्निंग दृष्टिकोण (अभ्यर्थी विशेषज्ञों से ईमेल / टेलीफोनिक माध्यम से परामर्श ले सकते हैं) अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाएगा और उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

अभ्यर्थियों के अनुकूल:

हम अपने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत शेड्यूलिंग की सुविधा भी देते हैं। वे अपनी परीक्षा की अध्ययन योजना के आधार पर अपनी परीक्षाएं पुनः शेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी हमारे किसी भी केंद्र पर आकर परीक्षा दे सकते हैं या अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी स्थान पर परीक्षा दे सकते हैं, और मूल्यांकन के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट की संख्या:	मॉड्यूल संख्या:	फी स्ट्रक्चर: कुल पाठ्यक्रम फीस (सभी करों सहित)
8	2584	रु. 9000
प्रकृति:	**अभ्यर्थियों के अनुकूल - मॉक टेस्ट की तिथि:** अभ्यर्थियों की मांग पर पुनर्निर्धारित की जा सकती है। **(अभ्यर्थी टेस्ट की निर्धारित तिथि के बाद भी टेस्ट दे सकते हैं, परंतु टेस्ट की तिथि से पूर्व नहीं दे सकते हैं)** अभ्यर्थी Vision IAS के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से टेस्ट पेपर और अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।	

इस टेस्ट सीरीज में अभ्यर्थियों को क्या उपलब्ध कराया जाएगा:

- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन विश्लेषण **(इनोवेटिव असेसमेंट प्रणाली)** के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड
- **समेकित प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (8 मॉक टेस्ट: PDF फाइल्स)**
- विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका जिसमें उचित फीडबैक, टिप्पणियां और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएंगे।
- मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर प्रारूप (संक्षिप्तसार)
- मॉक टेस्ट पेपर का विश्लेषण प्रश्नों की कठिनाई के स्तर और प्रकृति के आधार पर किया जाएगा।
- अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री

शुल्क में छूट संबंधी विवरण			
विजन IAS के अभ्यर्थियों के लिए	विजन IAS के क्लासरूम प्रोग्राम अभ्यर्थियों के लिए	UPSC साक्षात्कार में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के लिए	चयनित अभ्यर्थियों के लिए
25%	50%	40%	50%

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम:

मॉक टेस्ट पेपर्स की स्टैटिक और डायनामिक क्षमता (स्कोरिंग पोटेंशियल) का मूल्यांकन, अभ्यर्थियों के मैक्रो और माइक्रो प्रदर्शन का विश्लेषण, अनुभागवार (सेक्शन वाइज) विश्लेषण, कठिनाई स्तर का विश्लेषण, ऑल इंडिया रैंक, टॉपर्स के साथ तुलना, भौगोलिक विश्लेषण, एकीकृत स्कोर कार्ड, कठिनाई स्तर और प्रश्नों की प्रकृति इत्यादि के आधार पर मॉक टेस्ट पेपर्स का विश्लेषण।

नोट

- ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी Vision IAS ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका और मॉक टेस्ट पेपरों का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) डाउनलोड कर सकते हैं।
- प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका, मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) नहीं भेजा जाएगा।
- अन्य आवश्यक सामग्री/संदर्भ सामग्री/सहायक सामग्री केवल पीडीएफ प्रारूप में प्रदान की जाएगी और उसे भेजा नहीं जाएगा।
- टेस्ट परिचर्चा से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के होम पेज पर दी जाएगी।

DISCLAIMER

- Vision IAS अध्ययन सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। यदि कोई अभ्यर्थी Vision IAS अध्ययन सामग्री के कॉपीराइट के किसी भी उल्लंघन में संलिप्त पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी का टेस्ट सीरीज में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थी को UPSC रोल नंबर और अन्य विवरण **registration@visionias.in** पर उपलब्ध कराने होंगे।
- हमारे पास **नकद में शुल्क भुगतान** की **कोई सुविधा नहीं है।**
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही हस्तांतरित किया जाएगा।
- VISION IAS प्रवेश से संबंधित सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।
- VISION IAS को अधिकार है कि यदि आवश्यक हो, तो वह टेस्ट सीरीज के शेड्यूल/टेस्ट लेखन के दिन और समय इत्यादि में कोई भी बदलाव कर सकेगा।
- **Vision IAS के परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार को टेस्ट लेखन के लिए बंद रहेंगे।**

शेड्यूल, विषयवस्तु & संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या (टेस्ट Code)	दिनांक	कवर किए जाने वाले टॉपिक	स्रोत/ संदर्भ
टेस्ट 1 [3310]	29 दिसंबर, 2024	**प्रश्न-पत्र 1: सामान्य, सामाजिक और सांस्कृतिक नृविज्ञान** **1.1.** नृविज्ञान का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं विकास। **1.2. अन्य विषयों के साथ संबंध:** सामाजिक विज्ञान, व्यवहारपकरक विज्ञान, जीव विज्ञान, आयुर्विज्ञान, भू-विषयक विज्ञान एवं मानविकी। **1.3. नृविज्ञान की प्रमुख शाखाएं, उनका क्षेत्र तथा प्रासंगिकता:** (a) सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान (b) जैविक विज्ञान (c) पुरातत्व – नृविज्ञान (d) भाषा-नृविज्ञान **2.1. संस्कृति का स्वरूप:** संस्कृति और सभ्यता की संकल्पना एवं विशेषता; सांस्कृतिक सापेक्षवाद की तुलना में नृजाति केन्द्रिकता। **2.2. समाज का स्वरूप:** समाज की संकल्पना; समाज एवं संस्कृति; सामाजिक संस्थाएं; सामजिक समूह; एवं सामाजिक स्तरीकरण। **2.3. विवाह:** परिभाष एवं सार्वभौमिकता; विवाह (अंतर्विवाह, बहिर्विवाह, अनुलोमविवाह, अगम्यगमन निषेध); विवाह के प्रकार(एक विवाह प्रथा, बहु विवाह प्रथा, बहुपति प्रथा, समूह विवाह)। विवाह के प्रकार्य; विवाह विनियम (अधिमान्य, निर्दिष्ट एवं अभिनिषेधक); विवाह भुगतान (वधू धन एवं दहेज)। **2.4. परिवार:** परिभाषा एवं सार्वभौमिकता; परिवार गृहस्थी एवं गृह्य समूह; परिवार के प्रकार्य; परिवार के प्रकार (संरचना, रक्त- संबंध, विवाह, आवास एवं उत्तराधिकार के परिप्रेक्ष्य से); नगरीकरण, औद्योगिकीकरण एवं नारी अधिकारवादी आंदोलनो में परिवार पर प्रभाव। **2.5. नातेदारी:** रक्त संबंध एवं विवाह संबंध, वंशानुक्रम के सिद्धांत एवं प्रकार (एकरेखीय, द्वैध, द्विपक्षीय, उभयरेखीय); वंशानुक्रम समूह के रूप (वंशपरंपरा, गोत्र, फ्रेटरी, मोइटी एवं संबंधी); नातेदारी शब्दावली (वर्णनात्मक एवं वर्गीकारक); वंशानुक्रम, वंशानुक्रमण एवं पूरक वंशानुक्रम; वंशानुक्रम एवं सहसंबंध। **3. आर्थिक संगठन:** अर्थ, क्षेत्र एवं अर्थिक नृविज्ञान की प्रासंगिकता; रुपवादी एवं तत्ववादी बहस; उत्पादन, वितरण एवं समुदायों मे विनिमय (अन्योन्यता, पुनर्वितरण एवं बाजार), शिकार एवं संग्रहण, मत्स्यन, स्विडेंनिंग, पशुचारण, उद्यानकृषि एवं कृषि पर निर्वाह; भूमंडलीकरण एवं देशी आर्थिक व्यवस्थाएं।	» IGNOU अध्ययन सामग्री » e-PG पाठशाला सामग्री » नदीम हसनैन द्वारा लिखित सामान्य मानव शास्त्र » माखन झा द्वारा लिखित मानवशास्त्रीय विचार का एक परिचय (An introduction to anthropological thought) » वी.एस. उपाध्याय और गया पांडे द्वारा लिखित मानवशास्त्रीय चिंतन का इतिहास (History of Anthropological Thought), » टी.एन. मदान और डी.एन. मजूमदार द्वारा लिखित सामाजिक मानवशास्त्र का परिचय (An Introduction To Social Anthropology) » मेल्विन एम्बर और कैरोल एम्बर द्वारा लिखित मानव विज्ञान (Anthropology by Ember and Ember) » नृविज्ञान SCERT KERALA कक्षा -11 and 12

		4. राजनीतिक संगठन एवं सामाजिक नियंत्रण: टोली, जनजाति, सरदारी, राज एवं राज्य; सत्ता, प्राधिकार एवं वैधता की संकल्पनाएं; सरल समाजों में सामाजिक नियंत्रण, विधि एवं न्याय। **5. धर्म:** धर्म के अध्ययन में नृवैज्ञानिक उपागम (विकासात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं प्रकार्यात्मक), एकेश्वरवाद; पवित्र एवं अपावन; मिथक एवं कर्मकांड; जनजातीय एवं कृषक समाजों में धर्म के रूप (जीववाद, जीवात्मावाद, जड़पूजा एवं प्रकृतिपूजा एवं गणचिन्हवाद); धर्म, जादू एवं विज्ञान विशिष्ट; जादुई - धार्मिक कार्यकर्ता (पुजारी, शमन, ओझा, ऐंद्रजालिक और डाइन)। **6. नृवैज्ञानिक सिद्धांत :** a) क्लासिकी विकासवाद (टाइलर, मॉर्गन एवं फ्रेजर) b) ऐतिहासिक विशिष्टतावाद बोआस): विसरणवाद (ब्रिटिश, जर्मन एवं अमरीकी) c) प्रकार्यवाद (मैलिनोव्स्की) : संरचना - प्रकार्यवाद (रैडक्लिफ - ब्राउन) d) संरचनावाद (लेवी स्ट्राश एवं ई लीश) e) संस्कृति एवं व्यक्तित्व (बेनेडिक्ट, मीड, लिंटन, कार्डिनर एवं कोरा-दु-बुवा) f) नव- विकासवाद (चिल्ड, व्हाइट, स्ट्यूवर्ड, शाहलिन्स एवं सर्विस)) g) सांस्कृतिक भौतिकवाद (हैरिस) h) प्रतीकात्मक एवं अर्थनिरूपी सिद्धांत (टर्नर, श्नाइडर एवं गीट्‌र्ज i) संग्यानात्मक सिद्धांत (टाइलर, कॉक्सिन) j) नृविज्ञान में उत्तर - आधुनिकतावाद. **7. संस्कृति भाषा एवं संचार :** भाषा का स्वरूप, उद्गम एवं विशेषताएं; वाचिक एवं अवाचिक संप्रेषण; भाषा प्रयोग के सामाजिक संदर्भ। **8. नृविज्ञान में अनुसंधान पद्धतियां:** a) नृविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा b) तकनीक, पद्धति एवं कार्य - विधि के बीच विभेद c) दत्त संग्रहण के उपकरण: प्रेक्षण, साक्षात्कार, अनुसूचियां, प्रश्नावली, केस अध्ययन, वंशावली, मौखिक इतिवृत्त, सूचना के द्वितीयक स्रोत, सहभागिता पद्धति। d) डेटा का विश्लेषण, निर्वाचन एवं प्रस्तुतीकरण।	
टेस्ट 2 [3311]	**27 जनवरी, 2025**	**प्रश्न-पत्र 1: भौतिक नृविज्ञान** **1.4. मानव विकास तथा मनुष्य का आविर्भाव :** a) मानव विकास में जैव एवं सांस्कृतिक कारक; b) जैव विकास के सिद्धांत (डार्विन- पूर्व, डार्विन कालीन एवं डार्विनोत्तर); c) विकास का संश्लेषणात्मक सिद्धांत; विकासात्मक जीव विज्ञान की पदावली एवं संकल्पनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा (डॉल का नियम,कोप का नियम, गॉस का नियम, समांतरवाद, अभिसरण, अनुकूली विकिरण एवं मोजेक विकास)। **1.5. नर- वानर की विशेषताएं:** विकासात्मक प्रवृत्ति एवं नर- वानर वर्गिकी; नर- वानर अनुकूलन; (वृक्षीय एवं स्थलीय) नर- वानर वर्गिकी; नर- वानर व्यवहार, तृतीयक एवं चतुर्थक जीवाश्म नर-वानर, जीवित प्रमुख नर-वानर; मनुष्य एवं वानर की तुलनात्मक शरीर-रचना; नृ संस्थिति के कारण हुए कंकालीय परिवर्तन एवं हल्के निहितार्थ।	› IGNOU अध्ययन सामग्री › e-PG पाठशाला सामग्री › बी.एम.दास द्वारा लिखित भौतिक नृविज्ञान की रूपरेखा (Outlines of Physical Anthropology by B.M. Das) › पी. नाथ द्वारा लिखित शारीरिक नृविज्ञान (Physical Anthropology by P. Nath) › क्रेग स्टैनफोर्ड द्वारा लिखित जैविक नृविज्ञान: मानव जाति का प्राकृतिक इतिहास (Biological Anthropology: The Natural History of Humankind by Craig Stanford)

		1.6. जातिवृत्तीय स्थिति, निम्नलिखित की विशेषताएं एवं भौगोलिक वितरण: a) दक्षिण एवं पूर्व अफ्रीका में अतिनूतन अत्यंत नूतन होमिनिड - आस्ट्रेलोपिथेसिन। b) होमोइरेक्टस: अफ्रीका (पैरेन्प्रोपस), यूरोप (होमोइरेक्टस हीडेल बर्जेन्सिस), एशिया (होमोइरेक्टस जावानिकस, होमोइरेक्टस पेकाइनेन्सिस)। c) निएन्डरथल मानव-ला-शापेय-ओ-सैंत (क्लासिकी प्रकार), माउंट कारमेस (प्रगामी प्रकार)। d) रोडेसियन मानव। e) होमो- सैपिएन्स- क्रोमैग्नन, ग्रिमाली एवं चांसलीड। **1.7. जीवन के जीववैज्ञानिक आधार:** कोशिका, DNA संरचना एवं प्रतिकृति, प्रोटीन संश्लेषण, जीन, उत्परिवर्तन, क्रोमोसोम एवं कोशिका विभाजन। **1.8. (a) प्रागैतिहासिक पुरातत्व विज्ञान के सिद्धांत/ कालानुक्रम:** सापेक्ष एवं परम काल निर्धारण विधियां। **(b) सांस्कृतिक विकास** - प्रागैतिहासिक संस्कृति की स्थूल रूपरेखा- (i) पुरापाषाण (ii) मध्यपाषाण (iii) नव पाषाण (iv) ताम्र पाषाण (v) ताम्र -कांस्य युग (vi) लोह युग **9.1. मानव आनुवंशिकी - पद्धति एवं अनुप्रयोग:** मनुष्य परिवार अध्ययन में आनुवंशिक सिद्धांतों के अध्ययन की पद्धतियां (वंशावली विश्लेषण, युग्म अध्ययन, पोष्यपुत्र, सह-युग्म पद्धति, कोशिका -जननिक पद्धति, गुणसूत्री एवं केन्द्रक प्ररूप विश्लेषण), जैव रसायनी पद्धतियां, रोधक्षमतात्मक पद्धतियां, D.N.A. प्रौद्योगिकी, एवं पुनर्योगज प्रौद्योगिकियां। **9.2.** मनुष्य - परिवार अध्ययन में **मेंडलीय आनुवंशिकी,** मनुष्य में एकल उपादान, बहु उपादान, घातक, अवघातक एवं अनेकजीनी वंशागति। **9.3. आनुवंशिक बहुरूपता एवं वरण की संकल्पना**, मेंडेलीय जनसंख्या, हार्डी - वीनवर्ग नियम; बारंबारता में कमी लाने वाले कारण एवं परिवर्तन - उत्परिवर्तन विलगन, प्रवासन, वरण, अंतःप्रजनन एवं आनुवंशिक च्युति। समरक्त एवं असमरक्त समागम, आनुवंशिक भार, समरक्त एवं भंगिनी - बंधु विवाहों के आनुवंशिक प्रभाव। **9.4. गुणसूत्र एवं मनुष्य में गुणसूत्री विपथन, क्रियाविधि :** a) संख्यात्मक एवं संरचनात्मक विपथन (अव्यवस्थाएं) b) लिंग गुणसूत्री विपथन - क्लाइनफेल्टर (xxy), टर्नर (xo), अधिजाया (xxx), अंतर्लिंग एवं अन्य संलक्षणात्मक अव्यवस्थाएं। c) अलिंग सूत्री विपथन - डाउन संलक्षण, पातो, एड्वर्ड एवं क्रि- दु- शॉ संलक्षण d) मानव रोगों में आनुवंशिकी अध्यकंन, आनुवंशिक स्क्रीनिंग, आनुवंशिक उपबोधन, मानव D.N.A. प्रोफाइलिंग, जीन मैपिंग एवं जीनोम अध्ययन।	- नृविज्ञान SCERT KERALA CLASS-11

		9.5. प्रजाति एवं प्रजातिवाद, दूरीक एवं अदूरीक लक्षणों की आकारिकीय विभिन्नताओं का जीववैग्यानिक आधार। प्रजातीय निकष, आनुवंशिकता एवं पर्यावरण के संबंध में प्रजातीय विशेषक ; मनुष्य में प्रजातीय वर्गीकरण, प्रजातीय विभेदन एवं प्रजाति संकरण का जीव वैज्ञानिक आधार। **9.6. आनुवंशिक चिन्हक के रूप में आयु, लिंग एवं जनसंख्या विभेद** - ABO, Rh रक्तसमूह, HLA Hp, ट्रैन्स्फेरिन, Gm, रक्त एन्जाइम। शरीर क्रियात्मक ; लक्षण - विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक - आर्थिक समूहों में Hb, स्तर, शरीर वसा, स्पंद दर, श्वसन प्रकार्य एवं संवेदी प्रत्यक्षण। **9.7. पारिस्थितिक नृविज्ञान की संकल्पनाएं एवं पद्धतियां:** जैव - सांस्कृतिक अनुकूलन - जननिक एवं अजननिक कारक। पर्यावरणीय दबावों के प्रति मनुष्य की शरीर क्रियात्मक अनुक्रियाएं : गर्म मरुभूमि, शीत उच्च तुंगता जलवायु। **9.8. जानपदिक रोग विग्यानीय नृविज्ञान:** स्वास्थ्य एवं रोग। संक्रामक एवं असंक्रामक रोग। पोषक तत्वों की कमी से संबंधित रोग। **10. मानव वृद्धि एवं विकास की संकल्पना:** वृद्धि की अवस्थाएं - प्रसव पूर्व, प्रसव, शिशु, बचपन, किशोरावस्था, परिपक्वावस्था, जरत्व। › वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक: जननिक, पर्यावरणीय, जैव रासायनिक, पोषण संबंधी, सांस्कृतिक एवं सामाजिक - आर्थिक। › कालप्रभावन एवं जरत्व। सिद्धांत एवं प्रेक्षण › जैविक एवं कालानुक्रमिक दीर्घ आयु। मानवीय शरीर गठन एवं कार्यप्ररूप। वृद्धि अध्ययन। की क्रियाविधियां। **11.1. रजोदर्शन, रजोनिवृत्ति एवं प्रजनन शक्ति की अन्य जैव घट्नाओं की प्रासंगिकता।** प्रजनन शक्ति के प्रतिरूप एवं विभेद। **11.2.जनांकिकीय सिद्धांत-** जैविक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक। **11.3.**बहुप्रजता, प्रजनन शक्ति, जन्मदर एवं मृत्युदर को प्रभावित करने वाले **जैविक एवं सामाजिक - आर्थिक कारण।** **12. नृविज्ञान के अनुप्रयोग:** खेलों का नृविज्ञान, पोषणात्मक नृविज्ञान, रक्षा एवं अन्य उपकरणों की अभिकल्पना में नृविज्ञान, न्यायालयिक नृविज्ञान, व्यक्तिगत अभिज्ञान एवं पुनर्रचना की पद्धतियां एवं सिद्धांत। अनुप्रयुक्त एवं मानव आनुवंशिकी - पितृत्व निदान, जननिक उपबोधन एवं सुजननिकी, रोगों एवं आयुर्विज्ञान में DNA प्रौद्योगिकी, जनन - जीवविज्ञान में सीरम - आनुवंशिकी तथा कोशिका- आनुवंशिकी।	
टेस्ट 3 [3312]	**23 फ़रवरी, 2025**	**प्रश्न पत्र – II: भारतीय नृविज्ञान** **1.1. भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का विकास-** प्रागैतिहासिक (पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण तथा नवपाषाण- ताम्रपाषाण)। आद्यऐतिहासिक (सिंधु सभ्यता): हड़प्पा - पूर्व, हड़प्पाकालीन एवं पश्च - हड़प्पा संस्कृतियां। भारतीय सभ्यता में जनजातीय संस्कृतियों का योगदान। **1.2.** शिवालिक एवं नर्मदा द्रोणी के विशेष संदर्भ के साथ	› IGNOU अध्ययन सामग्री › e-PG पाठशाला सामग्री › डी.के.भट्टाचार्य द्वारा लिखित भारतीय प्रागैतिहासिक काल की रूपरेखा (An Outline Of Indian Prehistory by D.K.Bhattacharya) › नदीम हसनैन द्वारा लिखित

		भारत से **पुरा- नृवैज्ञानिक साक्ष्य** (रामापिथकस, शिवापिथेकस एवं नर्मदा मानव)। **1.3. भारत मे नृजाति - पुरातत्व विज्ञान:** नृजाति - पुरातत्व विज्ञान की संकल्पना: शिकारी, रसदखोजी, मछियारी, पशुचारक एवं कृषक समुदायों एवं कला और शिल्प उत्पादक समुदायों में उत्तरजीवक एवं समांतरक। **2. भारत की जनांकिकीय परिच्छेदिका**- भारतीय जनसंख्या एवं उनके वितरण में नृजातीय एवं भाषायी तत्व। भारतीय जनसंख्या - इसकी संरचना और वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक। **3.1. पारंपरिक भारतीय सामाजिक प्रणाली की संरचना और स्वरूप**- वर्णाश्रम, पुरूषार्थ, कर्म ऋण एवं पुनर्जन्म। **3.2 भारत में जाति व्यवस्था**- संरचना एवं विशेषताएं, वर्ण एवं जाति, जाति व्यवस्था के उद्गम के सिद्धांत, प्रबल जाति, जाति गतिशीलता, जाति व्यवस्था का भाविष्य, जजमानी प्रणाली, जनजाति- जाति सातत्यक। **3.3 पवित्र- मनोग्रन्थि** एवं प्रकृति- मनुष्य- प्रेतात्मा मनोग्रन्थि। **3.4** भारतीय समाज पर **बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम और ईसाई धर्म का प्रभाव।** **4. भारत में नृविज्ञान का आविर्भाव एवं संवृद्धि -** 18वीं 19वीं एवं प्रारंभिक 20वीं शताब्दी के शास्त्रज्ञ-प्रशासकों के योगदान। जनजातीय एवं जातीय अध्ययनों में भारतीय नृवैज्ञानिकों के योगदान। **5.1. भारतीय ग्राम-** भारत में ग्राम अध्ययन का महत्व; सामाजिक प्रणाली के रूप में भारतीय ग्राम; बस्ती एवं अंतर्जाति संबंधों के पारम्परिक एवं बदलते प्रतिरूप; भारतीय ग्रामों में कृषिक संबंध; भारतीय ग्रामों पर भूमंडलीकरण का प्रभाव। **5.2. भाषायी एवं धार्मिक अल्पसंख्यक** एवं उनकी सामाजिक,राजनैतिक तथा आर्थिक स्थिति। **5.3. भारतीय समाज में सामाजिक - सांस्कृतिक परिवर्तन की देशीय एवं बहिजांत प्रक्रियाएं:** संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, आधुनीकीकरण; छोटी एवं बड़ी परम्पराओं का परस्पर - प्रभाव ; पंचायतीराज एवं सामाजिक परिवर्तन ; मीडिया एवं सामाजिक परिवर्तन।	भारतीय मानवशास्त्र (Indian Anthropology by Nadeem Hasnain) » राम आहूजा द्वारा लिखित भारतीय सामाजिक व्यवस्था (Indian Social system by Ram Ahuja) » आर. एन. शर्मा द्वारा लिखित भारतीय मानवशास्त्र (Indian Anthropology by R. N. Sharma)
टेस्ट 4 [3313]	**23 मार्च, 2025**	**प्रश्न पत्र – II** **भारतीय नृविज्ञान -2 (जनजातीय नृविज्ञान)** **6.1. भारत में जनजातीय स्थिति-** जैव जननिक परिवर्तितता, जनजातीय जनसंख्या एवं उनके वितरण की भाषायी एवं सामाजिक - आर्थिक विशेषताएं। **6.2 जनजातीय समुदायों की समस्याएं-** भूमि संक्रमण, गरीबी, ऋणग्रस्तता, अल्प साक्षरता, अपर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं, बेरोजगारी, अल्परोजगारी, स्वास्थ्य तथा पोषण। **6.3 विकास परियोजनाएं एवं जनजातीय स्थानांतरण तथा पुनर्वास समस्याओं पर उनका प्रभाव,** वन नीतियों एवं जनजातियों का विकास, जनजातीय जनसंख्या पर नगरीकरण तथा औद्योगिकीकरण का प्रभाव। **7.1.** अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के **पोषण तथा वंचन की**	» नदीम हसनैन द्वारा लिखित जनजातीय भारत (Tribal India by Nadeem Hasnain) » e-PG पाठशाला सामग्री » Xaxa समिति की रिपोर्ट » जनजातीय मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट » योजना (जनवरी 14 और जुलाई 22) और कुरुक्षेत्र (सितंबर 22) » वर्जिनियस ज़ाक्सा द्वारा लिखित राज्य, समाज और जनजातियां (State, Society and Tribes by Virginius Xaxa)

		समस्याएं। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिये सांविधानिक रक्षोपाय। **7.2. सामाजिक परिवर्तन तथा समकालीन जनजाति समाज:** जनजातियों तथा कमजोर वर्गों पर आधुनिक लोकतांत्रिका संस्थाओं, विकास कार्यक्रमों एवं कल्याण उपायों का प्रभाव। **7.3. नृजातीयता की संकल्पना:** नृजातीय द्वंद एवं राजनैतिक विकास: जनजातीय समुदायों के बीच अशांति ; क्षेत्रीयतावाद एवं सवायत्तता की मांग ; छदम जनजातिवाद ; औपनिवेशिक एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत के दौरान जनजातियों के बीच सामाजिक परिवर्तन। **8.1. जनजातियों एवं समाजों पर हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम तथा अन्य धर्मों का प्रभाव।** **8.2. जनजाति एवं राष्ट्र राज्य –** भारत एवं अन्य देशों में जनजातीय समुदायों का तुलनात्मक अध्ययन। **9.1. जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन का इतिहास,** जनजाति नीतियां, योजनाएं, जनजातीय विकास के कार्यक्रम एवं उनका कार्यान्वियन। आदिम जनजातीय समूहों (PTGs) की संकल्पना, उनका वितरण, उनके विकास के विशेष कार्यक्रम। जनजातीय विकास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका। **9.2. जनजातीय एवं ग्रामीण विकास में नृविज्ञान की भूमिका।** **9.3.** क्षेत्रीयतावाद, सांप्रदायिकता, नृजातीय एवं	
टेस्ट 5 [3314]	**22 जून, 2025**	**नृविज्ञान पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -1)**	
टेस्ट 6 [3315]	**6 जुलाई, 2025**	**नृविज्ञान पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -2)**	
टेस्ट 7 [3316]	**20 जुलाई, 2025**	**नृविज्ञान पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट -3)**	
टेस्ट 8 [3317]	**3 अगस्त, 2025**	**नृविज्ञान पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट-4)**	

फोकस:

उत्तर लेखन कौशल का विकास, उत्तर की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण, उत्तर में तथ्यों, जानकारी और ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों में UPSC की वास्तविक मांग (जैसे कि - की वर्ड्स, कॉन्टेक्स्ट और कंटेंट) को समझना तथा अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु (रणनीति एवं दृष्टिकोण) प्रश्नों को कैसे अटेम्प्ट किया जाना चाहिए, अपनी वर्तमान तैयारी और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझना तथा वास्तविक UPSC परीक्षा के पैटर्न, कठिनाई और समय-सीमा को समझने के लिए अपने मन को तैयार करना।

नृविज्ञान:

UPSC मुख्य परीक्षा का पैटर्न बहुत ही डायनामिक और अप्रत्याशित है। इसलिए मॉक टेस्ट पेपर UPSC के नवीनतम पैटर्न के आधार पर तैयार किए जाने चाहिए।

UPSC मानदंड:

UPSC निर्देशों के अनुसार लिखित आईएएस परीक्षा में अभ्यर्थी के प्रदर्शन के आकलन के लिए मानदंड:
"मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल अभ्यर्थियों की जानकारी और याद रखने की बजाय उनकी समग्र बौद्धिक विशेषताओं और समझ की गहराई का आकलन करना है।" **-संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)**

कार्यप्रणाली:

उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की कार्यप्रणाली: हमारे विशेषज्ञ UPSC के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संकेतकों पर अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन संकेतक
1. संदर्भ संबंधी क्षमता
2. विषय-वस्तु संबंधी क्षमता
3. भाषा संबंधी क्षमता
4. भूमिका संबंधी क्षमता
5. संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता
6. निष्कर्ष संबंधी क्षमता
अंक

स्कोर: स्केल: 1- 5:

5	4	3	2	1
अति उत्कृष्ट	उत्कृष्ट	अच्छा	औसत	खराब

- प्रश्नों की प्रकृति और विशेषज्ञ के UPSC अनुभव के आधार पर प्रत्येक मूल्यांकन संकेतक के भारांश पर उचित विचार के बाद प्रश्न में कुल अंक प्रदान किए जाते हैं।
- किसी भी प्रश्न के लिए प्रत्येक संकेतक का स्कोर अभ्यर्थी के योग्यता संबंधी प्रदर्शन (प्रश्न की गुणवत्ता के स्तर और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझने के लिए) को उजागर करेगा।

डिज़ाइन की गई निम्नलिखित क्षमताओं की मूलभूत समझ:

प्रसंग संबंधी क्षमता:

- प्रश्न की मुख्य मांग/विषयवस्तु को समझना अर्थात प्रश्न के संदर्भ की व्यापक समझ विकसित करना। साथ ही, प्रश्न में प्रयोग किए गए 'की वर्ड्स' और 'टेल वर्ड्स' पर ध्यान केंद्रित करके उत्तर को सुव्यवस्थित करना। टेल वर्ड्स जैसे स्पष्ट कीजिए, व्याख्या कीजिए, टिप्पणी कीजिए, परिक्षण कीजिए, समालोचनात्मक परिक्षण कीजिए, चर्चा कीजिए, विश्लेषण कीजिए, समझाइए, समीक्षा कीजिए, तर्क प्रस्तुत कीजिए, औचित्य सिद्ध कीजिए आदि।

विषय-वस्तु संबंधी क्षमता:

- प्रश्न के प्रसंग संबंधी समझ और प्रवाह के अनुसार उत्तर लिखना तथा तदनुसार उदाहरणों, तथ्यों, आंकड़ों, तर्कों, आलोचनात्मक विश्लेषण आदि के माध्यम से उसे प्रमाणित करना।

भाषा संबंधी क्षमता:

- उचित वाक्य निर्माण और सरल अभिव्यक्ति में विषय-वस्तु को व्यवस्थित करना।
- शब्द सीमा बनाए रखने और प्रश्न को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी शब्दों का उचित और सही उपयोग करना।

भूमिका संबंधी क्षमता:

- पृष्ठभूमि, डेटा, संबंधित समसामयिक समाचार आदि देकर उत्तर को आरंभ करने के लिए प्रभावी और प्रासंगिक शुरुआत की आवश्यकता है।

संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता:

- उत्तर में अपेक्षित कनेक्टिविटी और प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रश्न के विभिन्न भागों के अनुसार सामग्री को व्यवस्थित करना।
- उत्तर सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए हैडिंग और सब-हैडिंग, बुलेट पॉइंट्स, फ्लोचार्ट, आरेख आदि का उपयोग करना।

निष्कर्ष संबंधी क्षमता:

- आगे की राह, नवीन समाधान सुझाते हुए, विभिन्न विचारों/परिप्रेक्ष्यों को संतुलित तरीके से शामिल करते हुए, निष्कर्ष सहित उत्तर को समाप्त करना।

Heartiest
Congratulations
to all Successful Candidates

79 in TOP 100 Selections in CSE 2023 from various programs of Vision IAS

1 AIR
Aditya Srivastava

2 AIR
Animesh Pradhan

5 AIR
Ruhani

6 AIR
Srishti Dabas

7 AIR
Anmol Rathore

9 AIR
Nausheen

10 AIR
Aishwaryam Prajapati

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

हिंदी माध्यम टॉपर

53 AIR
मोहन लाल

136 AIR
अर्पित कुमार

238 AIR
विपिन दुबे

257 AIR
मनीषा धार्वे

313 AIR
मयंक दुबे

517 AIR
देवेश पाराशर

39 Selections in TOP 50 in CSE 2022

1 AIR
Ishita Kishore

2 AIR
Garima Lohia

3 AIR
Uma Harathi N

DELHI

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in | /c/VisionIASdelhi | /visionias.upsc | /vision _ias | VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद | बैंगलोर | भोपाल | चंडीगढ़ | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची